



## विचार बिन्दु

असत्य फूस के देह की तरह है। सत्य की एक चिनगारी भी उसे भस्म कर देती है।  
—हरिभाऊ उपाध्याय

## संविधान की उद्देशिका में जोड़े गये दो शब्द “समाजवादी” व “धर्मनिरपेक्ष” को हटाना आवश्यक नहीं है, उनके अर्थ को स्पष्ट करना पर्याप्त है।

सं

विधान सभा का विभिन्नत कार्य दिनांक 9 दिसम्बर, 1946 से प्रारम्भ हुआ। कुछ दिन सत्र चलने के बाद नेहरूजी ने 13 दिसम्बर 1946 को पौरीतापक उद्देश्य प्रतिवाद पक्ष किया। प्रस्ताव के प्रारम्भ में भारत के भावी प्रभुता सम्पन्न लोकान्त्रिक गणराज्य की रूपरेखा दी गई थी। इसके एक संक्षेप राज्य व्यवस्था की उपकारिता की भावी सम्पुत्राणी जाति के तांत्रिकीय में दी गई। इस प्रस्ताव के दिनांक 22 जनवरी, 1947 को संविधान सभा ने बैठक की। इस प्रकार भारत की जनता ने भारत के प्रभुत्व सम्पन्न लोकान्त्रिक गणराज्य का संविधान स्वीकार किया। और अपने अपको अर्पित किया। दिनांक 26 जनवरी, 1950 से संविधान लागू हुआ। चूंकि हमारा संविधान एक लिखित दस्तावेज है तथा इसमें प्रत्येक अंग को जीवनीय तथा स्वतंत्र कार्यों पर निरपेक्ष है तथा आपको अपनी जीवनीय अवधियां संसद द्वारा पारित कियी जानी चाही तो उल्लंघन करने वाला करार देकर अवैध व अमान्य घोषित कर सकता है और संसद भी कृतिप्रय प्रतिवेदियों के साथ संविधान में संशोधन कर सकती है।

संविधान की उद्देशिका में समाजवादी का विवरण करना जाता है कि संविधान की उद्देशिका में प्रत्येक गणराज्य भारत के संविधान को सारांश, दर्शन, अदानी और उपलब्धी का अनुभव करते हैं। उनके बावजूद सुप्रीम कोर्ट ने यह पाया है कि जिन्हें अनुच्छेद 368 के अधीन संविधान के किसी संसाधन द्वारा भी बदलना नहीं जा सकता। संवैधानिक संसोधन से उद्देशिका में कुछ शब्द, जैसे “समाजवादी” व “धर्मनिरपेक्ष” जोड़े गये हैं। इसके बाद विवाद सुप्रीम कोर्ट में जेकरार है कि क्या ऐसा संस्कृत वेद है? संवैधानिक कानून के विवाद सुप्रीम कर्तव्य का मानना है कि ये शब्द बहुत ही अपेक्षित हैं और संविधान में यहीं पक्षीय व्यवस्था है। उनके बावजूद सुप्रीम कोर्ट ने यह पाया है कि जिन्हें अनुच्छेद 368 के अधीन संविधान के लिये देखिये कर्यावाजी का पुरुषों के लिये प्रतिवेदियों और अपनी जीवनीय अवधियां उपलब्ध हैं। उनके बावजूद अपनी जीवनीय क्षेत्रों में संवर्जन है। उनके बावजूद अपनी जीवनीय क्षेत्रों में संवर्जन है। उनके बावजूद अपनी जीवनीय क्षेत्रों में संवर्जन है।

मानीय सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ जिसके न्यायाधीश संजीव खन्ना व न्यायाधीश संवर्जन कुमार हैं, के समक्ष तीन व्याचिकार्य भैंडिंग हैं, जिन्हें पटिशनर बलराम सिंह, डाक्टर सुब्रामण्यम स्वामी व अवनीष कुमार एवं व्याचिकार्य द्वारा दायर किया गया। इसके द्वारा पटिशनरेन्स में प्रियमवल में किये गये संशोधन को चुनौती दी गई। संशोधन कार्य करार देकर अवैध व अमान्य घोषित कर सकता है और संसद भी कृतिप्रय प्रतिवेदियों के साथ संविधान में संशोधन कर सकती है।

1) बलराम सिंह बाबा युनियन ऑफ इंडिया WP(C) NO. 643 OF 2020  
2) डा. सुब्रामण्यम स्वामी बाबा युनियन ऑफ इंडिया WP(C) NO. 1467 OF 2020  
3) अश्वक उपाध्याय बाबा युनियन MA 835 OF 2024

मानीय खण्डपीठ के मत या कि शब्द Socialistic को जोड़ जाने से स्वतंत्रता पर विपरीत असर पड़ेगा एवं खण्डपीठ अश्वकी उपाध्याय ने बहस में कहा कि भारत तो सदा से ही Secular रहा है। डाक्टर स्वामी ने अपनी बहस में कहा कि जो जो शब्द जोड़े गये हैं Jes Arbitrary (विवेक शूर्य) है। प्रियमवल से यही निर्वाचन निकलता है कि 26.11.1949 को ही भारत Socialistic था।

विशेषज्ञक जैन एवं वेंकेट, अश्वकी उपाध्याय एवं वेंकेट और सुब्रामण्यम स्वामी की प्रारम्भिक बहस के में जारी जैसे कार्यक्रम का तात्पुर व्यवहार के लिये संबंधित अन्य संसदीय व्यवहार के लिये संविधान स्वतंत्रता पर विपरीत असर पड़ेगा। एवं खण्डपीठ अश्वकी उपाध्याय ने बहस में कहा कि भारत तो सदा से ही Secular रहा है। डाक्टर स्वामी ने अपनी बहस में कहा कि जो जो शब्द जोड़े गये हैं Jes Arbitrary (विवेक शूर्य) है। प्रियमवल से यही निर्वाचन निकलता है कि जैसे कार्यक्रम के लिये देखिये कर्यावाजी का पुरुषों के लिये प्रतिवेदियों और अपनी जीवनीय अवधियां उपलब्ध हैं। उनके बावजूद अपनी जीवनीय क्षेत्रों में संवर्जन है। उनके बावजूद अपनी जीवनीय क्षेत्रों में संवर्जन है। उनके बावजूद अपनी जीवनीय क्षेत्रों में संवर्जन है।

विशेषज्ञक जैन एवं वेंकेट, अश्वकी उपाध्याय एवं वेंकेट और सुब्रामण्यम स्वामी की प्रारम्भिक बहस के में जारी जैसे कार्यक्रम का तात्पुर व्यवहार के लिये संबंधित अन्य संसदीय व्यवहार के लिये संविधान स्वतंत्रता पर विपरीत असर पड़ेगा। एवं खण्डपीठ अश्वकी उपाध्याय ने बहस में कहा कि भारत तो सदा से ही Secular रहा है। डाक्टर स्वामी ने अपनी बहस में कहा कि जो जो शब्द जोड़े गये हैं Jes Arbitrary (विवेक शूर्य) है। प्रियमवल से यही निर्वाचन निकलता है कि जैसे कार्यक्रम के लिये देखिये कर्यावाजी का पुरुषों के लिये प्रतिवेदियों और अपनी जीवनीय अवधियां उपलब्ध हैं। उनके बावजूद अपनी जीवनीय क्षेत्रों में संवर्जन है। उनके बावजूद अपनी जीवनीय क्षेत्रों में संवर्जन है। उनके बावजूद अपनी जीवनीय क्षेत्रों में संवर्जन है।

उपरोक्त छोटे से प्रसंग से यह स्पष्ट है कि कैसे आपना नहीं है और संविधान के हल के लिये परीक्षण की आवश्यकता है। कैसे में अब 18.11.2024 की तारीख नियत है। कैसे में कई संवैधानिक प्रश्न उत्तर देने हैं। उनके बावजूद अपनी जीवनीय क्षेत्रों में कार्यक्रम का उत्तर दूढ़ा जायेगा।

1) क्या उद्देशिका (Preamble) संविधान का एक भाग है?

2) क्या संविधान की उद्देशिका (Preamble) का एक संशोधन (Amendment) हो सकता है?

3) क्या उद्देशिका में दो शब्द Socialistic व Secular संशोधन द्वारा जोड़े गये हैं?

4) क्या उद्देशिका में प्रयोग में लाये गए “समाजवादी” व “धर्मनिरपेक्ष” स्वरूप में अपेक्षित हैं अतः संविधान संशोधन के द्वारा उनको परिवर्तन कर सकता है?

प्रस्तुत वर्तमान में लाये गए “समाजवादी” व “धर्मनिरपेक्ष” स्वरूप में अपेक्षित हैं अतः संविधान संशोधन के द्वारा उनको परिवर्तन कर सकता है?

प्रस्तुत वर्तमान में लाये गए “समाजवादी” व “धर्मनिरपेक्ष” स्वरूप में अपेक्षित हैं अतः संविधान संशोधन के द्वारा उनको परिवर्तन कर सकता है?

प्रस्तुत वर्तमान में लाये गए “समाजवादी” व “धर्मनिरपेक्ष” स्वरूप में अपेक्षित हैं अतः संविधान संशोधन के द्वारा उनको परिवर्तन कर सकता है?

प्रस्तुत वर्तमान में लाये गए “समाजवादी” व “धर्मनिरपेक्ष” स्वरूप में अपेक्षित हैं अतः संविधान संशोधन के द्वारा उनको परिवर्तन कर सकता है?

प्रस्तुत वर्तमान में लाये गए “समाजवादी” व “धर्मनिरपेक्ष” स्वरूप में अपेक्षित हैं अतः संविधान संशोधन के द्वारा उनको परिवर्तन कर सकता है?

प्रस्तुत वर्तमान में लाये गए “समाजवादी” व “धर्मनिरपेक्ष” स्वरूप में अपेक्षित हैं अतः संविधान संशोधन के द्वारा उनको परिवर्तन कर सकता है?

प्रस्तुत वर्तमान में लाये गए “समाजवादी” व “धर्मनिरपेक्ष” स्वरूप में अपेक्षित हैं अतः संविधान संशोधन के द्वारा उनको परिवर्तन कर सकता है?

प्रस्तुत वर्तमान में लाये गए “समाजवादी” व “धर्मनिरपेक्ष” स्वरूप में अपेक्षित हैं अतः संविधान संशोधन के द्वारा उनको परिवर्तन कर सकता है?

प्रस्तुत वर्तमान में लाये गए “समाजवादी” व “धर्मनिरपेक्ष” स्वरूप में अपेक्षित हैं अतः संविधान संशोधन के द्वारा उनको परिवर्तन कर सकता है?

प्रस्तुत वर्तमान में लाये गए “समाजवादी” व “धर्मनिरपेक्ष” स्वरूप में अपेक्षित हैं अतः संविधान संशोधन के द्वारा उनको परिवर्तन कर सकता है?

प्रस्तुत वर्तमान में लाये गए “समाजवादी” व “धर्मनिरपेक्ष” स्वरूप में अपेक्षित हैं अतः संविधान संशोधन के द्वारा उनको परिवर्तन कर सकता है?

प्रस्तुत वर्तमान में लाये गए “समाजवादी” व “धर्मनिरपेक्ष” स्वरूप में अपेक्षित हैं अतः संविधान संशोधन के द्वारा उनको परिवर्तन कर सकता है?

प्रस्तुत वर्तमान में लाये गए “समाजवादी” व “धर्मनिरपेक्ष” स्वरूप में अपेक्षित हैं अतः संविधान संशोधन के द्वारा उनको परिवर्तन कर सकता है?

प्रस्तुत वर्तमान में लाये गए “समाजवादी” व “धर्मनिरपेक्ष” स्वरूप में अपेक्षित हैं अतः संविधान संशोधन के द्वारा उनको परिवर्तन कर सकता है?

प्रस्तुत वर्तमान में लाये गए “समाजवादी” व “धर्मनिरपेक्ष” स्वरूप में अपेक्षित हैं अतः संविधान संशोधन के द्वारा उनको परिवर्तन कर सकता है?

प्रस्तुत वर्तमान में लाये गए “समाजवादी” व “धर्मनिरपेक्ष” स्वरूप में अपेक्षित हैं अतः संविधान संशोधन के द्वारा उनको परिवर्तन कर सकता है?

प्रस्तुत वर्तमान में लाये गए “समाजवादी” व “धर्मनिरपेक्ष” स्वरूप में अपेक्षित हैं अतः संविधान संशोधन के द्व



# बोलेरो की बकाया राशि को लेकर कारबाजार संचालक की हत्या, दो गिरफ्तार

**पीह के युवक की हत्या के बाद शव को जेठाना के खंडरनुमा मकान में पटका**



परबतसर/अजमेर, (निस)। क्षेत्र के पीह गांव के युवक की हत्या ग्राम कालेसरा में कर उसके शव को जेठाना में एक बुड़हरनुमा मकान में आरोपियों ने पटक दिया। बोलेरो के बकाया राशि को लेकर 2 आरोपियों ने कारबाजार संचालक की हत्या की। कम देने के बहाने आरोपियों ने नागौर से अजमेर बुलाया और लाइटिंग और सीधों से पीछके हत्या कर दी। पुलिस ने हत्या के आरोपियों को पकड़ दिया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर शव को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने आरोपियों को जाच कर रखी है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर शव को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने आरोपियों को जाच कर रखी है।

जानकारी में आरोपियों के बारे नागौर नागौर जिले के रामगढ़ ग्राम पंचायत क्षेत्र दावड़ी की ढांच निवासी सुरेश पुरा इररिमा के साथ वाहान के पैसे लेने के लिए बैठकर सुरेश को अपने साथ लेकर कालेसरा पहुंचा। आरोपियों ने वाहन चले गए। काफी समय तक सुरेश और

आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने शव बरामद किया, परिजनों की शिकायत पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया

उसको ले जाने वाले वापस नहीं पहुंचे तो भैरवलाल ने सुरेश के मामले में जानकारी चाही तो सुरेश के बारे में बताया गया कि वह तो ऐसे लेकर चल गया है। सुरेश को मोबाइल बंद आ रहा था। चाचा भैरवलाल परेसन हो गया और उसने घाव फौन कर पता किया तो वहां भी सुरेश नहीं पहुंचा। इस पर भैरवलाल को कुछ शक्क होने लगा और उन्होंने अपने गांव फौन कर मामले की जानकारी दी और आरोपियों की कहां हानी नहीं मिल पाया। अपने घाव के खंडरनुमा मकान में भैरवलाल ने वापस लौटा। भैरवलाल को दूसरी जगह साथ वाहान के पैसे लेने के लिए बैठकर सुरेश को अपने साथ लेकर कालेसरा पहुंचा। आरोपियों ने वाहन चले गए। काफी समय तक सुरेश और

कालेसरा निवासी सोनू पुरा पूर्ण गुरुर्ज से पृष्ठाछ किए। जाने पर पुलिस को गुरुराह करता रहा। पृष्ठाछ किए जाने पर सोनू ने सुरेश के हत्या किए जाने की जानकारी दिए। जाने पर पुलिस सहित मृतक के सभी रिस्टोरेंट चैप गए। हाया में जेठाना निवासी मुकेश पुरा उग्मा राम गुरुर्ज का नाम सामने आने पर उसे भी पुलिस ने डिटॉन कर लिया। लिया दोनों आरोपी पुलिस के हत्या के शव को ठिकाने को लेकर भी गुरुराह करते रहे। पुलिस को आरोपियों ने बताया कि बांनवाडा क्षेत्र में मृतक की बड़ी छाया गई है। पुलिस ने आरोपियों के बाला अनुसार जेठाना निवासी सुरेश के बारे में बताया कि वह तो ऐसे लेकर चल गया है। सुरेश को मोबाइल बंद आ रहा था। चाचा भैरवलाल परेसन हो गया और उसने घाव फौन कर पता किया तो वहां भी सुरेश नहीं पहुंचा।

इस पर भैरवलाल को कुछ शक्क होने लगा और उन्होंने अपने गांव फौन कर मामले की जानकारी दी और आरोपियों ने बताया कि बांनवाडा क्षेत्र में मृतक की बड़ी छाया गई है। पुलिस ने आरोपियों के बाला अनुसार जेठाना निवासी सुरेश के बारे में बताया कि वह तो ऐसे लेकर चल गया है। सुरेश को मोबाइल बंद आ रहा था। चाचा भैरवलाल परेसन हो गया और उसने घाव फौन कर पता किया तो वहां भी सुरेश नहीं पहुंचा।

## कॉन्स्टेबल ने सुसाइड किया

नोखा, (निस)। नोखा थाने के कॉन्स्टेबल विकास मीणा ने सुसाइड का प्रयास किया। पुलिसकर्मियों ने तुरंत उसे अस्पताल ले लिया। जेठाना के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सचिना विलास परेसन के लोगों ने जेठाना के दौरान उसकी मौत हो गई।

प्राप्त का जानकारी के अनुसार जेठाना माना के बकाया राशि को लेकर 2 आरोपियों ने कारबाजार संचालक की हत्या की। कम देने के बहाने आरोपियों ने नागौर से अजमेर बुलाया और लाइटिंग और सीधों से पीछके हत्या कर दी। कम देने के बहाने आरोपियों ने नागौर से अजमेर बुलाया और लाइटिंग और सीधों से पीछके हत्या कर दी। कम देने के बहाने आरोपियों ने नागौर से अजमेर बुलाया और लाइटिंग और सीधों से पीछके हत्या कर दी। कम देने के बहाने आरोपियों ने नागौर से अजमेर बुलाया और लाइटिंग और सीधों से पीछके हत्या कर दी।

गया, जहां से डॉकरों ने उहें बीकानेर के पीबीएम अस्पताल रेफर कर दिया। बीकानेर में इलाज के दौरान देर रात उकी मौत हो गई। घटना की सचिना विलास परेसन के लोगों ने जेठाना के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सचिना विलास परेसन के लोगों ने जेठाना के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सचिना विलास परेसन के लोगों ने जेठाना के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सचिना विलास परेसन के लोगों ने जेठाना के दौरान उसकी मौत हो गई।

### तबीयत बिगड़ने से एक की मौत

सादुलपुर, (निस)। तहसील के निकटवर्ती गांव लुटाना पूर्ण में हैरिया सजियों की कहारी में रासायनिक द्रव्यों का छिड़काव करते समय तबीयत बिगड़ने से एक व्यक्ति की मौत हो गई।

गुरुवार शाम पाँच बजे विलास की जाकारी में इस संघर्ष में थाना अधिकारी पुर्णगुरुर्ज द्वारा जिला निवासी सुरेश के बाला अनुसार जेठाना निवासी मुकेश पुरा उग्मा राम गुरुर्ज का नाम सामने आने पर उसे भी पुलिस ने डिटॉन कर लिया। लिया दोनों आरोपी पुलिस के हत्या के शव को ठिकाने को लेकर भी गुरुराह करते रहे। पुलिस को आरोपियों ने बताया कि बांनवाडा क्षेत्र में मृतक की बड़ी छाया गई है। पुलिस ने आरोपियों के बाला अनुसार जेठाना निवासी सुरेश के बारे में बताया कि वह तो ऐसे लेकर चल गया है। सुरेश के मोबाइल बंद आ रहा था। चाचा भैरवलाल परेसन हो गया और उसने घाव फौन कर पता किया तो वहां भी सुरेश नहीं पहुंचा।

यहां पर भैरवलाल को कुछ शक्क होने लगा और उन्होंने अपने गांव फौन कर मामले की जानकारी दी और आरोपियों ने बताया कि बांनवाडा क्षेत्र में मृतक की बड़ी छाया गई है। पुलिस ने आरोपियों के बाला अनुसार जेठाना निवासी सुरेश के बारे में बताया कि वह तो ऐसे लेकर चल गया है। सुरेश के मोबाइल बंद आ रहा था। चाचा भैरवलाल परेसन हो गया और उसने घाव फौन कर पता किया तो वहां भी सुरेश नहीं पहुंचा।

### सड़क हादसे में भाजपा के 11 कार्यकर्ता घायल

पांच गंभीर घायल रेफर, दरियाटी से भाजपा युवा मोर्चा सम्मेलन में भाग लेकर लौट रहे थे

#### कुआं थाना पुलिस सीमलवाडा अस्पताल पहुंची

मार दी। हादसे में इको सवारी 11 लोग घायल हो गए। सूचना पर 104 ऐरुलेंस पॉके पर पहुंची घायलों को सीमलवाडा अस्पताल लाया गया। जाने पर डॉकर्ट्स ने घायलों का उपचार शुरू किया। घायलों में एक व्यक्ति के समर्थन में घायलों को उपचार करता रहा। घायलों में आरोपी के साथ ही प्रियंका विलास भी आरोपी की जानकारी ली। पुलिस ने आरोपी के साथ ही घायलों को उपचार करता रहा। घायलों में आरोपी के साथ ही घायलों को उपचार करता रहा।

जानकारी के अनुसार दरियाटी से भाजपा युवा मोर्चा सम्मेलन में घायलों को उपचार शुरू किया गया है। 5 मंगीर घायलों को रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार दरियाटी में आरोपी की जानकारी ली। पुलिस ने आरोपी के साथ ही घायलों को उपचार करता रहा। घायलों में घायलों को उपचार करता रहा। घायलों में घायलों को उपचार करता रहा।

जानकारी के अनुसार दरियाटी में आरोपी की जानकारी ली। पुलिस ने आरोपी के साथ ही घायलों को उपचार करता रहा। घायलों में घायलों को उपचार करता रहा।

जानकारी के अनुसार दरियाटी में आरोपी की जानकारी ली। पुलिस ने आरोपी के साथ ही घायलों को उपचार करता रहा। घायलों में घायलों को उपचार करता रहा।

जानकारी के अनुसार दरियाटी में आरोपी की जानकारी ली। पुलिस ने आरोपी के साथ ही घायलों को उपचार करता रहा। घायलों में घायलों को उपचार करता रहा।

जानकारी के अनुसार दरियाटी में आरोपी की जानकारी ली। पुलिस ने आरोपी के साथ ही घायलों को उपचार करता रहा। घायलों में घायलों को उपचार करता रहा।

जानकारी के अनुसार दरियाटी में आरोपी की जानकारी ली। पुलिस ने आरोपी के साथ ही घायलों को उपचार करता रहा। घायलों में घायलों को उपचार करता रहा।

जानकारी के अनुसार दरियाटी में आरोपी की जानकारी ली। पुलिस ने आरोपी के साथ ही घायलों को उपचार करता रहा। घायलों में घायलों को उपचार करता रहा।

जानकारी के अनुसार दरियाटी में आरोपी की जानकारी ली। पुलिस ने आरोपी के साथ ही घायलों को उपचार करता रहा। घायलों में घायलों को उपचार करता रहा।

जानकारी के अनुसार दरियाटी में आरोपी की जानकारी ली। पुलिस ने आरोपी के साथ ही घायलों को उपचार करता रहा। घायलों में घायलों को उपचार करता रहा।

जानकार







